प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में 'नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग' पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलाजी में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित 'नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग' विषय पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट कार्यशाला का विधिवत समापन सम्पन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय की कम्प्युटर साइंस विभाग की प्रोफेसर डॉ अक्षी कुमार रहीं।

कार्यशाला के तीसरे दिन दयालबाग विश्वविद्यालय से डॉ. सी पटवर्धन ने आर्टीफीसियल इंटैलीजेंस और एन.एल.पी के बारे में विस्तार से बाताया। श्री पटवर्धन ने बताया कि दिन पर दिन हमारी तकनीकी बदल रहीं है। पुराने मशीन से हम रोबोर्ट की ओर बढ़ रहे हैं। रोबोर्ट एक ऐसा मशीन है जो कि मनुष्य की तरह सारे काम को करने में सक्षम है। रोबोर्ट रीप्रोग्रामेबल मशीन है। डॉ. पटबर्धन ने बताया कि इंटैलीजेंस को अनेक तरीका से बताया जा सकता है जिसमें कि तर्क, समझ, आत्मजागरूकता, ज्ञान आदि समाहित हैं। इन्होंने बताया कि इंटैलीजेंस मेजेरमेंट को भी मापा जा सकता है जैसे मनुष्य की आई क्यू चैक की जा सकती है। इन्होंने इमोशनल इंटैलीजेंस, कॉगनेटिव, अध्यामिक इंटैलीजेंस को विस्तार से बताया।

कार्यशाला के चौथे दिन थॉपर विश्वविद्यालय पटियाला से डॉ. प्रशांत राणा ने मशीन लर्निंग को विस्तार से बताया। मशीन लर्निंग के द्वारा किसी मॉडल को बनाना, सिखाना और किसी वस्तु को उस मॉडल को सही या गलत बनाना समझाया। इन्होंने आर कम्प्युटर भाषा को प्रयोग करना समझाया।

कार्यशाला के अंतिम दिन दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय की कम्प्युटर साइंस विभाग की प्रोफेसर डॉ अक्षी कुमार ने बताया कि एन.एल.पी. की सामाजिक मीडिया एवं डाटा के विश्लेषण करने में भूमिकाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज की तकनीकी के साथ डाटा का विश्लेषण करना और इसके बारे में तुरंत जबाव मिलना सम्भव है। हम बिग डाटा का विश्लेषण कर नये अवसरों की पहचान कर सकते हैं। इन्होंने समाजिक डाटा, वेव माइनिंग, भावनात्क विश्लेषण, सूचना पुर्नप्राप्ति और निष्कर्षण आदि पर चर्चा की। नवीनतम रुझानों को समझना और सोशल मीडिया डाटा के आकार के कारण उत्पादों के बारे में सामान्य राय बनाना चुनौतीपूर्ण है। इसलिए स्वचालित और वास्तवितक समय निष्कर्ण एवं माइनिंग की आवश्यकता होती है। अतः इसमें एनएलपी की भूमिका अति महत्वपूर्ण है।

सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने मुख्य अतिथि का स्वागत एवं आभार प्रकट किया तथा अपने संक्षिप्त स्वागत सम्बोधन में इस पाँच दिवसीय कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये सभी प्रतिभागी शिक्षकों बधाई दी और कम्प्युटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मुनीष खन्ना को

इस कार्यशाला कराने की लिए धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसी कार्यशाला शिक्षकों के लिए समय–समय पर कराते रहना चाहिए।

कार्यशाला के समापन समारोह का सफल संचालन कम्प्युटर साइंस विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रवीण गुप्ता ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मुनीष खन्ना ने किया।

इस अवसर पर डॉ. हितेन्द्र गर्ग, कम्प्यूटर साइंस विभाग के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं कार्यशाला में एकटीयू के विभिन्न कॉलेजों से प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहे।

पी.के. शर्मा
मीडिया प्रभारी